Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 28-07-2006
Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal,Rawat Prof. Rasa Singh,Chowdhury Shri Adhir Ranjan,Maharia Shri Subhash,Singh Shri Lakshman

>

Title : Reported maltratment meted out to Indians in Saudi Arabia.

श्री सुभाा महरिया (सीकर) : महोदय, मैं सदन का ध्यान इस बात की ओर आकर्ति करना चाहूंगा कि भारतीय मूल के करीब पांच सौ से ज्यादा नौकरी पर गए हुए लोग, जो सउदी अरब के यांबू स्थान से चालीस किलोमीटर दूरी पर है, इस समय मानवीय अत्याचार और मानवीय उत्पीड़न से ग्रस्त हैं। ये लोग फरवरी 2006 में वहां गए थे और हमारे देश की मेन गल्फ पावर कंपनी ने इन्हें ड्राइवर और को-ड्राइवर की सर्विस के लिए भेजा था। सउदी पाल किंग कंपनी के नाम से इनसे एग्रीमेंट हुआ, लेकिन वहां पर जो इन्हें काम दिया गया, वह सपाक नाम की कंपनी में मिला। वहां जो काम उन्हें दिया गया, वह लेबर का काम था, जो सीमेंट, कांक्रीट और पाइपलाइन की खुदाई का काम उनसे करा रहे हैं। एक हजार रियाल उन्हें देने की बात कही गयी थी और यह एग्रीमेंट हुआ था। खाने फ्री देने की बात कहीं गयी थी, लेकिन वहां जो कंपनी उनसे काम ले रही है, वह 700 रियाल पे कर रही है और खाने के 150 रियाल काट रही है और ओवर टाइम के नाम पर सौ घंटे काम कराती है और 20 घंटे की हां भर रही है। पांच दिन पहले पंजाब के एक युवक की वहां कंपनी में काम करते हुए मौत हो गयी। उसकी डेड बाडी देश में नहीं भेजी गयी, तो वहां के लोगों ने हड़ताल पर जाने का निर्णय किया और करीब सौ लोगों का ज्ञापन भारत सरकार को भेजा है, वित्त मंत्रालय को भेजा है और रियाल और जद्दा में जो भरतीय दूतावास के दफ्तर हैं, वहां उन्होंने इसकी सूचना भेजी है। एमजल रोड पर जिस तरह से वहां की लोकल पुलिस ने वहां हड़ताल पर बैठे हुए कमचारियों को ले जाकर और उठा-उठाकर काम करवा रही है, उसे वे लोग बुरी तरह से ग्रस्त हैं। बहुत से ऐसे लोग येन-केन-प्रकारेण टेलीफोन के द्वारा इस बारे में सूचित कर रहे हैं। राजस्थान के तीन सौ से अधिक लोग इन पांच सौ लोगों में फंसे हुए हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र सीकर के 80 से ज्यादा लोग वहां फंसे हुए हैं। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि विदेश मंत्रालय को आप इस बात के लिए पाबंद करें कि तुरंत इन लोगों को भारत देश में लाने की व्यवस्था हो। उनकी जो पेमेंट बकाया हे, उन्हें दिलायी जाए। उन्होंने इस बात की अपनी ओर से मांग की है कि हमें देश तुरंत वापस मंगाया जाए। इसलिए उन लोगों के लिए इस प्रकार की व्यवस्था करने के लिए बहुत कड़े कदम उठाने पड़ेगे। इनको भेजने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए और लोकल पुलिस को इस बात के लिए पाबंद किया जाए कि जो लोग वहां जा रहे हैं, वे उनकी एग्रीमेंट की कापी रखें और जहां वे जाते हैं, वहां उनके साथ क्या बरताव हो रहा है, इसका ध्यान रखा जाए। मेरा अनुरोध है कि भारतीय मूल के लोगों को वापस बुलाया जाए।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं।

सभापति महोदय : श्री गिरधारी लाल भार्गव, श्री रासा सिंह रावत और श्री लक्ष्मण सिंह अपने आप को इससे संबद्ध करते हैं।

SHRI ADHIR CHOWDHURY (BERHAMPORE, WEST BENGAL): I am also associating with the issue.